B.A. III Organisational Psychology

5. Q संगठन व्यवहार के परिप्रेक्ष्य में सामाजिक उपागम का मूल्यांकन करें।

Ans:- मानव व्यवहार विचारधारा कर्मचारियों अर्थात मनुष्यों को प्रबन्धकीय सफलता के केन्द्र बिन्दु मानती है। यह प्रबन्ध को मानवीय संबंधों का पद्धति मानती है। इस विचारधारा के अनुसार "प्रबन्ध मानव व्यवहार का अध्ययन है" इस विचारधारा में मानव व्यवहार के अध्ययन हेतु मनोविज्ञान मानशास्त्र एवं मानवीय कौशल एवं मानवीय संवेदना के आधार पर लोगों से काय करवाने की कला मानता है।

अब तक मानव व्यवहार के अध्ययन की दो विचारधाराये विकसित हुई है।

मानवीय संबंध विचारधारा क्या!

(i) यह विचारधारा मानव की सामाजिक एवं मानसिक आवश्यकताओं का अध्ययन करके उनकी संतुष्टि करने पर बल देती है। यह विचारधारा निर्जीव यंत्रों कार्य व संसाधनों के स्थान पर कर्मचारियों अर्थात 'मानव' को अपने अध्ययन का केन्द्र बिन्दु मानती है। इसमे अन्तर्वैयक्तिक व्यवहार विज्ञानों के ज्ञान का उपयोग किया जाता है।

विशेषताएँ: इस विचारधारा की प्रमुख विशेषताएँ निम्न है।

1) इस विचारधारा मानती है कि प्रत्येक कर्मचारी की अपनी सामाजिक एवं मानसिक आवश्यकताये होती है।

2) यह मनोविज्ञान पर आधारित है।

3) किसी भी प्रबन्धक द्वारा कर्मचारियों को पशुओं की भाँति हाँककर अथवा उन्हें मनमाना आदेश देकर अथवा मशीनों की भाँति बटन दबाकर उनसे कार्य नहीं लिया जा सकता है।

4) यह कर्मचारियों को सजीव भावनाओं वाले 'मानव' के रूप देखती है।

5) यह विचारधारा मानवीय संबंधों एवं अभिप्रेरणा को महत्व देती है।

6) यह विचारधारा अन्तर व्यक्तिगत संबंधों पर प्रधानता बल देती है।

7) यह विचारधारा कर्मचारी को मशीनी पूजा नहीं करनू भावपूर्ण मानव मानती है।

Dr. Randhir Kumar
Dept of Psychology
U.R.C. Rosera Samastipur
9570435969

Scanned by TapScanner